खास-खबरें

शिव महापुराण कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग

नईदुनिया, प्रतिनिधि, भैरूंदाः श्रावण मास के अवसर पर नगर में आयोजित पांच दिवसीय शिव महापुराण कथा में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के पुत्र राघवेंद्र मिश्रा कथा का वाचन कर रहे हैं। कथा स्थल पर भक्ति और आस्था का माहौल बना हुआ है, वहीं बढ़ती भीड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंताएं सामने आने लगी हैं। नगर में यह चर्चा भी है कि पंडित प्रदीप मिश्रा कथा के दौरान एक दिन भैरूंदा आ सकते हैं। हालांकि आयोजकों या प्रशासन की ओर से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इसके बावजूद इस संभावना के चलते श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि भीड़भाड़ वाले धार्मिक आयोजनों में कीमती आभूषण पहनकर न आएं और अपने सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि कथा स्थल पर 8 से 10 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, लेकिन भीड़ बढ़ने पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ सकती है।

तारण तरण चैत्यालय में कलश स्थापना के साथ चातुर्मास का शुभारंभ, उमड़े श्रद्धालु

नईदुनिया, प्रतिनिधि, बरेलीः नगर स्थित श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय में जैन धर्म के पवित्र चातुर्मास के उपलक्ष्य में कलश स्थापना का मंगलोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष नगर गौरव अपूर्वनंद महाराज का चातुर्मास बरेली में होने से जैन समाज में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर विधि, झांझ वंदन एवं दान-प्रभावना से हुई। इसके बाद विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। अपूर्वनंद महाराज ने चातुर्मास के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्षा ऋतु में सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ने के कारण इस अवधि में पदविहार रोककर जीव रक्षा का संदेश दिया जाता है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास आत्मचिंतन, स्वाध्याय, संयम, व्रत-नियम और धर्मग्रंथों के अध्ययन का श्रेष्ठ समय है। व्यस्त जीवन से समय निकालकर आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति के लिए यह चार माह अत्यंत महत्वपूर्ण माने गए हैं।

रफी साहब के गीतों को स्वर देकर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नईदुनिया, प्रतिनिधि, सीहोरः सरगम के साथी क्लब के तत्वावधान में स्वर सम्राट मोहम्मद रफी की 46वीं पुण्यतिथि के अवसर पर निजी होटल इंदौर नाका के सभागृह में आयोजित संगीतमयी श्रद्धांजलि कार्यक्रम में रफी साहब के अमर गीतों की स्वर लहरियों ने देर रात तक संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किए रखा। कार्यक्रम में सीहोर, भोपाल एवं आष्टा के गायक-गायिकाओं ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से रफी साहब को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजक राजेश काशिव,सीमा जोशी द्वारा स्वर सम्राट मोहम्मद रफी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

सड़क-नाली की मांग को लेकर हाईवे पर उतरे रहवासी, कॉलोनाइजर का कार्यालय सील

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेनः शहर की अवंतिका कॉलोनी में सड़क, नाली और अन्य मूलभूत सुविधाओं के अभाव से नाराज रहवासियों ने रविवार को भोपाल-सागर रोड स्थित भारत माता चौराहे पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शन में स्थानीय नागरिकों के साथ भाजपा और कांग्रेस के जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए।

रहवासियों ने आरोप लगाया कि कॉलोनी विकसित हुए वर्षों बीत जाने के बावजूद सड़क और नाली जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। मौके पर पहुंचे एसडीएम मनीष शर्मा और नगर पालिका सीएमओ सुरेखा जाटव ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर 15 दिनों के भीतर निर्माण कार्य शुरू कराने का लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ। शिकायतों के आधार पर नगर पालिका ने कॉलोनाइजर के कार्यालय को सील कर दिया। प्रशासन ने जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा भी दिया। प्रदर्शन में शामिल युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन सोलंकी ने चेतावनी दी कि समय पर काम शुरू नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

हत्या, लूट, चोरी से लेकर महिला सुरक्षा और त्योहारों की तैयारियों तक हर मोर्चे पर पुलिस को मिली जिम्मेदारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले के सभी एसडीओपी, सीएसपी और थाना प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली।

बैठक में गंभीर अपराधों, महिला सुरक्षा, लंबित विवेचनाओं, डिजिटल पुलिसिंग, वारंटियों की गिरफ्तारी और आगामी त्योहारों की सुरक्षा तैयारियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी ने कहा कि आमजन का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है और हर शिकायत का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

हत्या, लूट और चोरी जैसे अपराधों की गहन समीक्षाः बैठक में वर्ष 2024, 2025 और 2026 के दौरान जिले में दर्ज हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, लूट, गृहभेदन और चोरी जैसे गंभीर अपराधों की थाना स्तर पर विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि गंभीर अपराधों में आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गई संपत्ति की बरामदगी का प्रतिशत बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई से ही कानून का भय कायम रहेगा।

महिला और बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकताः बैठक में महिला एवं अनुसूचित जाति-जनजाति के विरुद्ध दर्ज मामलों की भी गंभीरता से समीक्षा की गई। पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म से जुड़े प्रकरणों में 60 दिन की निर्धारित समय-सीमा के भीतर विवेचना पूरी कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आईटीएसएसओ पोर्टल पर लंबित मामलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

असामाजिक तत्वों पर होगी लगातार कार्रवाई : जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिला बदर, एनएसए, आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट, सट्टा, जुआ और एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई। एसपी ने स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार और प्रभावी कार्रवाई जारी रखी जाए ताकि जिले में अपराध का वातावरण समाप्त हो सके।

जनशिकायतों के निराकरण में नहीं चलेगी लापरवाही : पुलिस अधीक्षक ने सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, लंबित मर्ग, चालान और विभागीय जांचों की समीक्षा करते हुए कहा कि आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

त्योहारों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूतः आगामी त्योहारों के मद्देनजर संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, शांति समिति की बैठकें, सीसीटीवी एवं ड्रोन निगरानी, सोशल मीडिया और अफवाहों की मॉनिटरिंग, यातायात डायवर्जन, फ्लैग मार्च तथा मॉक ड्रिल जैसे सुरक्षा उपायों को समय पर लागू करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि त्योहारों के दौरान शांति, सौहार्द और सुरक्षा बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

सभी वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूदः अपराध समीक्षा बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे, जिले के सभी एसडीओपी एवं सीएसपी, रक्षित निरीक्षक, सभी थाना प्रभारी, यातायात प्रभारी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, जवाबदेह तथा तकनीक आधारित बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से मंथन किया गया।

ज्ञानदास का साधु समाज ने किया बहिष्कार, मठ-आश्रमों में प्रवेश पर रोक

उज्जैन। महाकाल थाने में दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज होने के बाद स्थानीय अखाड़ा परिषद ने निर्मोही अखाड़े के महामंडलेश्वर ज्ञानदास का साधु समाज से बहिष्कार कर दिया है। परिषद ने ज्ञानदास के उज्जैन स्थित सभी आश्रमों, मठों और अखाड़ों के भंडारों में जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। उन्हें महामंडलेश्वर पद से हटाने के लिए अखाड़े के अध्यक्ष को पत्र भेजा है। रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ.रामेश्वर दास और महामंत्री महंत रामेश्वर गिरी ने बताया कि ज्ञानदास पर एक महिला के साथ दुष्कर्म का आरोप लगा है। इस मामले को लेकर स्थानीय अखाड़ा परिषद के पदाधिकारियों ने बैठक की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यह कृत्य समूचे साधु समाज के लिए अशोभनीय है। इसके चलते ज्ञान दास के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। ज्ञान दास को निर्मोही अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से तत्काल प्रभाव से हटाने के लिए स्थानीय अखाड़ा परिषद की ओर से अखाड़े के अध्यक्ष श्रीमहंत राजेंद्र दास को एक पत्र भेजा गया है। इस निर्णय के बाद अब ज्ञानदास उज्जैन में स्थानीय अखाड़ा परिषद के अंतर्गत आने वाले किसी भी धार्मिक आयोजन, मठ या आश्रम में प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

41 वर्षों की सेवा के बाद शिक्षक सोनी को दी विदाई

नईदुनिया प्रतिनिधि, बरेली/जैथारीः शासकीय कन्या प्राथमिक शाला जैथारी के प्रभारी हरिसेवक सोनी को 41 वर्षों की शासकीय सेवा पूर्ण करने पर सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त होने के अवसर पर भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में जनप्रतिनिधियों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उनकी दीर्घ एवं निष्ठापूर्ण सेवाओं की सराहना की।

विदाई समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह, उनके सुपुत्र अवधेश प्रताप सिंह, दीपक पटेल, तहसीलदार, शिक्षा विभाग के अधिकारी, रेंजर, चौकी प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, जिला एवं जनपद पंचायत सदस्य सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने श्री सोनी को सम्मानित कर उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के बाद सहभोज का आयोजन किया गया। इसके उपरांत हरिसेवक सोनी को बैंड-बाजों के साथ विद्यालय से उनके निवास तक सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। भावनात्मक माहौल के बीच संपन्न हुआ यह समारोह समाज द्वारा एक समर्पित शिक्षक को दिए गए सम्मान और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया।

विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

गंजबासौदा। सेंट एस. आर. एस. पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं तथा शिक्षक-शिक्षिकाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की शपथ दिलाई गई।

संस्था संचालक के.एस. यादव ने नशे के शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को योग, व्यायाम, प्रकृति से जुड़ाव और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें अनेक पौष्टिक खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनका सेवन कर स्वस्थ और आनंदमय जीवन जिया जा सकता है।

आज निकलेगी बाबा महाकाल की पहली शाही सवारी 1100 बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार से होगा स्वागत

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः सावन मास के पहले सोमवार पर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की पहली शाही सवारी सोमवार शाम नगर भ्रमण पर निकलेगी। परंपरा के अनुसार भगवान महाकाल अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए पालकी में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। पहली सवारी की थीम 'वैदिक उद्बोधन' रखी गई है, जिसके तहत रामघाट पर 1100 वैदिक बटुक एक स्वर में मंत्रोच्चार कर बाबा महाकाल का स्वागत करेंगे।

महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप में विधि-विधान से पूजन के बाद शाम 4 बजे पालकी रवाना होगी। सवारी महाकाल चौराहा, गुदरी, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंचेगी, जहां मां क्षिप्रा के पावन जल से भगवान का जलाभिषेक और पूजन किया जाएगा। इसके बाद सवारी विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर पुनः महाकाल मंदिर पहुंचेगी।

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देशन में सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पूरे सवारी मार्ग पर बैरिकेडिंग, अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती और निगरानी की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों पर रहकर प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई है।

सवारी में पारंपरिक लवाजमे के साथ घुड़सवार दल, पुलिस बैंड, विशेष सशस्त्र बल, स्काउट-गाइड, भजन मंडलियां तथा विभिन्न जिलों के लोक एवं जनजातीय नृत्य दल आकर्षण का केंद्र होंगे। इस वर्ष महाकाल की प्रत्येक सवारी को विशेष थीम दी गई है। 10 अगस्त को लोक नृत्य, 17 अगस्त को पुलिस, सेना और होमगार्ड बैंड की प्रस्तुतियां, 24 अगस्त को पर्यावरण संरक्षण, 31 अगस्त को 84 महादेव की झांकी तथा 7 सितंबर को शाही सवारी में सिंहस्थ-2028 की झलक और ड्रोन से पुष्प वर्षा आकर्षण का केंद्र रहेगी। प्रशासन को इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के सवारी में शामिल होने की उम्मीद है।

धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ, नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुरः धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (डीएन एलयू), जबलपुर में बी.ए. एल एल.बी. (ऑनर्स) एवं एल एल. एम. पाठ्यक्रमों के नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत ओरिएंटेशन-कम-इंडक्शन कार्यक्रम-2026 के साथ हुई। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का औपचारिक स्वागत किया गया।

कुलपति प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ कुलसचिव डॉ. प्रवीण त्रिपाठी के स्वागत भाषण से हुआ। मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक खोत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधि का अध्ययन केवल कानून की धाराओं को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि तर्क, विश्लेषण और न्यायपूर्ण सोच विकसित करने की प्रक्रिया है। उन्होंने विद्यार्थियों को मूल स्रोतों से अध्ययन करने, स्पष्ट भाषा में लेखन करने, मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं में भाग लेने तथा विधिक सहायता गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

उद्घाटन सत्र के बाद विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों से परिचय कराया गया। संकाय अधिष्ठाता एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. गार्गी चक्रवर्ती ने शैक्षणिक एवं परीक्षा प्रणाली की जानकारी दी। वहीं सहायक प्राध्यापक एवं वार्डन डॉ. दीपलक्ष्मी चिले ने छात्रावास एवं परिसर नियमों तथा डॉ. ईशा वाधवा ने उपस्थिति एवं अवकाश संबंधी प्रावधानों पर जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान सहायक अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) डॉ. अनिमेष झा ने 'एनएलयूआईट होने का क्या अर्थ है' विषय पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया, जिसमें विद्यार्थियों ने विश्व विद्यालय जीवन से जुड़ी अपेक्षाओं और मूल्यों पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रुचिरा चतुर्वेदी ने किया, जबकि अंत में प्रो. (डॉ.) शैलेश एन. हडली ने आभार व्यक्त किया।

हाईटेंशन लाइनों के नीचे बने मकानों के 10 निवासियों को नोटिस

विदिशा। स्थानीय पूरनपुरा स्थित एकता कॉलोनी में 400, 220 और 132 केवी हाईटेंशन बिजली लाइनों के प्रतिबंधित क्षेत्र में बने मकानों पर मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने जान-माल की सुरक्षा को देखते हुए 10 मकान मालिकों को नोटिस जारी किए हैं, ताकि हाईटेंशन लाइनों से सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जा सके।

तार फेंसिंग में करंट प्रवाहित करने पर प्रतिबंध

विदिशा। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने अवगत कराया है कि जिले मे किसानो द्वारा अपने खेत मे बोई गई फसलों को पालतू व जंगली जानवरों से बचाने हेतु झटका मशीन व अन्य माध्यमो से करंट छोडा जा रहा है जिससे जनजीवन व पशुओं की मृत्यु की सूचना प्राप्त हो रही है। तारफेंसिंग मे करंट फैलाना दंडनीय अपराध है।

नेत्र शिविर में 274 मरीजों की जांच 61 मोतियाबिंद मरीज चिन्हित

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः स्थानीय मिल रोड स्थित सद्गुरु विज़न सेंटर में स्व. नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सहयोग से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर स्वर्गीय पुष्पलता साहू की पुण्य स्मृति में सेवा दिवस के रूप में उनके पति भगवान दास साहू एवं पुत्र प्रशांत साहू और प्रतीक साहू के सहयोग से आयोजित किया गया।

शिविर में डॉ. राजकरण वर्मा और डॉ. धर्मेंद्र अहिरवार ने 274 से अधिक मरीजों की नेत्र जांच की तथा नेत्र रोगों से बचाव संबंधी परामर्श दिया। जांच के दौरान 61 मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जिन्हें ऑपरेशन के लिए आनंदपुर रेफर किया गया।

कैंप प्रभारी जीतू पाठक के निर्देशन में काउंसलिंग टीम ने 63 जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए। इसके अलावा ट्रस्ट की ओर से 101 मरीजों को निःशुल्क दवाइयां दी गईं तथा 49 मरीजों के चश्मे के नंबर भी निकाले गए। शिविर में मरीजों की रक्तचाप और शुगर की जांच भी की गई।

शिविर सहयोगी सुनील बाबू पिंगले ने बताया कि ट्रस्ट के रवि उपाध्याय के मार्गदर्शन और सद्गुरु स्वर्गीय रणछोड़दास महाराज की प्रेरणा से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से ऐसे सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी भगवान दास साहू, मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. ए.के. जैन, समाजसेवी गणेश राम रघुवंशी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, चिकित्सक एवं पत्रकार उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने ट्रस्ट के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि नेत्र रोगियों की सेवा करना सबसे बड़ा मानव धर्म है।

भारतीय किसान संघ का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग संपन्न

नईदुनिया प्रतिनिधि, शाजापुर : किसानों को संगठित करने और उनकी आवाज को मजबूती देने के उद्देश्य से भारतीय किसान संघ ने जिले में अपनी सक्रियता तेज कर दी है। शहर के निजी होटल में आयोजित दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग के समापन पर 191 प्रमुख कार्यकर्ताओं ने हुंकार भरते हुए आगामी सदस्यता अभियान में जिले से 2 लाख 1 हजार नए सदस्य बनाने का महासंकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से इस बात पर जोर दिया गया कि राष्ट्र हित में ही किसान का हित सर्वोपरि है और संगठन इसी ध्येय के साथ आगे बढ़ रहा है। 1 और 2 अगस्त को चले इस अभ्यास वर्ग का शुभारंभ प्रांत सह संगठन मंत्री दिनेश शर्मा, जिला अध्यक्ष सवाई सिंह सिसोदिया ने भगवान बलराम, भारत माता के चित्र और संगठन ध्वज के समक्ष दीप प्रज्वलन व पूजन कर किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए

दिनेश शर्मा ने बताया कि आज भारतीय किसान संघ देश के 60 हजार से अधिक गांवों में सक्रिय है और लगभग 60 लाख किसानों का मजबूत संगठन बन चुका है। उन्होंने बताया कि संगठन मुख्य रूप से तीन आयामों- संगठनात्मक, रचनात्मक और आंदोलनात्मक स्तर पर कार्य करता है।

मातृ शक्ति सम्मेलन और सदस्यता पर जोरः कार्यक्रम में प्रांत महामंत्री रमेश दांगी ने आगामी सदस्यता अभियान के लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जिले में आयोजित होने वाले मातृ शक्ति सम्मेलन की रूपरेखा भी कार्यकर्ताओं के सामने रखी। वहीं, द्वितीय सत्र में संभाग सह मंत्री बहादुर सिंह राजपूत ने संगठन के भगवा ध्वज की विशेषताओं और कृषि के देवता भगवान बलराम को आराध्य मानने के पीछे के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक महत्व से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया।

कालापीपल तहसील अध्यक्ष की हुई घोषणाः अभ्यास वर्ग के विभिन्न सत्रों में संगठन की कार्यप्रणाली पर मंथन हुआ। जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख भारत सिंह नाहर और युवा प्रमुख खाम सिंह परमार ने भारतीय किसान संघ के चार प्रमुख उत्सवों की रूपरेखा समझाई। दूसरे दिन के प्रथम सत्र में जिला सह मंत्री चन्दर सिंह सिसोदिया ने ग्राम समितियों के करणीय कार्यों की जानकारी दी। द्वितीय सत्र में प्रांत कार्यालय मंत्री सीताराम प्रजापति ने संगठन के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर संगठन का विस्तार करते हुए मानसिंह परमार को कालापीपल का तहसील अध्यक्ष घोषित किया गया। इस दो दिवसीय अभ्यास वर्ग में संभागीय सदस्य राज बहादुर सिंह गुर्जर, सोहन सिंह सिसोदिया, जिला मंत्री मुकेश पाटीदार, कोषाध्यक्ष ललित नागर, जैविक प्रमुख शिवनारायण, जल आयाम प्रमुख अनिल, जिला सदस्य भागीरथ, रामचंद्र, बाबूलाल, तहसील अध्यक्ष सत्यनारायण, शंकर, जीवन, तहसील मंत्री ज्ञान सिंह, नरेंद्र, जितेंद्र, नगर कार्यकारिणी से होकम व नरेंद्र सहित पूरे जिले और तहसीलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्पेशल खबर मूलभूत सुविधाएं उपेक्षा का शिकार...

यात्री प्रतीक्षालय और शौचालय बने गंदगी का अड्डा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः केंद्र और राज्य सरकार स्वच्छता अभियान को लेकर लगातार बड़े-बड़े दावे कर रही हैं, लेकिन भैरूंदा तहसील की ग्राम पंचायत नीलकंठ की तस्वीर इन दावों पर सवाल खड़े करती नजर आती है। धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखने वाले नीलकंठ गांव में सार्वजनिक यात्री प्रतीक्षालय और शौचालय की हालत बेहद खराब है। दोनों स्थानों पर फैली गंदगी के कारण यात्रियों और श्रद्धालुओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नीलकंठ गांव स्वयं ग्राम पंचायत के सरपंच का निवास स्थल होने के साथ-साथ क्षेत्र का एक प्राचीन धार्मिक केंद्र भी है। शास्त्रों में वर्णित इस पवित्र स्थल पर वर्षभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है, जबकि सावन माह में यहां हजारों कांवड़िए मां नर्मदा का जल लेकर भगवान शिव का अभिषेक करने के लिए पहुंचते हैं। विडंबना यह है कि गांव के मुख्य मार्ग पर स्थित यात्री प्रतीक्षालय, जहां लोग बस और अन्य वाहनों का इंतजार करते हैं, गंदगी से अटा पड़ा है। वहीं पास बना सार्वजनिक शौचालय भी लंबे समय से साफ-सफाई के अभाव में उपयोग लायक नहीं बचा है। ऐसे में न तो राहगीर प्रतीक्षालय में बैठ पा रहे हैं और न ही शौचालय का उपयोग कर पा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक महत्व वाले इस स्थल पर स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन होना चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं और यात्रियों को असुविधा का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों और ग्राम पंचायत से तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर यात्री प्रतीक्षालय एवं शौचालय को उपयोग योग्य बनाने की मांग की है। अब सवाल यह है कि जब सरपंच के अपने गांव और धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र की यह स्थिति है, तो स्वच्छता अभियान के दावों की जमीनी हकीकत क्या है? सावन में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को क्या इसी तरह की अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ेगा, या जिम्मेदार विभाग समय रहते व्यवस्था सुधारने की पहल करेगा?

सरपंच का पक्ष जानने का प्रयास किया गयाः इस संबंध में ग्राम पंचायत नीलकंठ के सरपंच संतोष वर्मा से उनका पक्ष जानने के लिए मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन किसी कारणवश उनसे बात नहीं हो सकी और कॉल रिसीव नहीं हुई। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।